Hindi

प्र1) भारत की महानता कैसी है ?

उ) भारत देश महान है। अपनी विविधता के लिए यह प्रसिद्ध है। यह देश महान है, कारण यहाँ के लोग जाति, मत, धर्म से अलग होते पर भी एकजुट होकर रहते हैं। सबके मन में देश के प्रति आदर की भावना है। सब मिलकर जन-गण-मन का गीत गाते हैं।

प्र2) हमारी भाषा कैसी है ?

उ) हमारे देश की अलग-अलग भाषाएं हैं लेकिन उनमें से हर एक अपने तरीके से सुंदर और पवित्र है।

प्र3) देश हमारा कैसा है ?

उ) हमारा देश प्यारा है।

प्र4) भारत देश की विशेषता क्या है ?

उ) एकता भारत देश की विशेषता है।

प्र5) पावन धारा से आप क्या समझते हो?

उ) पावन धारा का अर्थ है पवित्र धारा।

प्र6) सदा हम किसको अपनाते?

उ) सदा हम कर्म को अपनाते।

प्र7) शब्द अर्थ लिखो -

प्यारा - सुंदर, प्रिय

अनोखी - अलग

परिवेश - परिधि

न्यारा - मन

विशेष - महत्व पूर्ण

मेलजोल - मिलकर रहना

प्र8) हमारे देश की अनोखी सुंदरता के बारें में आप क्या जानते हैं लिखिए?

उ) हमारे देश मे अलग-अलग भाषाएँ, त्योहार, जगाहें, संस्कृती, धर्म, पहाड़, नदीयाँ आदी है। इसके बाद भी हम-सब भाईचारा के साथ रहतें हैं।

3

प्र१) आप को अपना देश क्यों अच्छा लगता है?

उ) मुझे मेरा देश उसकी प्रकृती और त्योहार के लिए अच्छा लगता है।

प्र२) विविधता में एकता इससे आप क्या समझते हो?

उ) भारत देश विविधता के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ अलग-अलग परिवेश, भाषा से आए लोग रहते है, लेकिन वो सब मिल-जुलकर रहते हैं। अपना कर्म करते है तथा 'वसुदैव कुटुंब' की भावना को अपने साथ लेकर चलते हैं।

प्र३) कविता का सारांश अपने भाषा में लिखिए।

उ) हमारा देश सबसे सुंदर है। हमारे देश में अलग अलग भाषा बोली जाती है हमारा परिवेश और माहोल अलग-अलग है फिर भी हम एकता में विश्वास रखते है। हमारे देश की यही खासियत है हम सबसे खुल के प्रेम से मिलते हैं।

इस मेलजोल को पवित्र माना जाता है।

प्र2) निम्न लिखित शब्दों से वाक्य बनाओ-

अलग- यहाँ अलग-अलग प्रकार के जानवर रहते हैं।

भारत- भारत मेरा देश है।

मेलजोल- हम सब मेलजोल कर रहते हैं।

धर्म- भारत में अलग अलग धर्म के लोग रहते हैं।

जाहिर- जाहिर है वह इस तबाही के बारे में नहीं जानती थी।

प्र3) क) दिए गए प्रश्न में से सही और गलत का चयन करो-

हमें अपने गुरु का आदर करना चाहिए। सही

हमारे मुख से निकले शब्द वापिस हो सकते हैं। गलत

ख) विलोम शब्द ~~बताओ~~ बताएं-

आदर - निरादर

गुरु - शिष्य

ग) पर्यायवाची शब्द लिखें-

गुरु - अध्यापक, शिक्षक मुख - ~~[illegible]~~ मुँह, चेहरा

प्रा4) काकी पाठ का मूल उद्देश्य क्या है?

उ) इस पाठ में बाल मन को समझाने, समझाने का प्रयास किया गया है। यह बाल मनोविज्ञान पर आधारित पाठ है।

प्रा5) कौन अपनी काकी को वापस लाना चाहता था और क्यों?

उ) श्यामू अपनी काकी को वापस लाना चाहता था क्योंकि वो अपनी काकी बहुत प्यार करता था और उसकी काकी की बहुत याद आ रही थी।

प्रा6) काकी पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखि

उ) एक दिन जब श्यामू को पता चला की उसकी काकी (उमा) राम के यहाँ गई थी श्यामू रो पड़ा क्योंकी वो काकी को बहुत प्यार करता था। उसे एक दीन एक उपाय वो एक पतंग राम के यहाँ भेजेगा और काकी को वापस लाएगा। तो श्यामू ने उसके काका से

पैसे चुराकर एक पतंग खरीदी और उसके दोस्त भोला को रस्सी लाने के लिए बोला। भोला जो रस्सी लाया था वो पतली थी तो श्यामू ने वापस उसके काका से पैसे चुराकर भोला को एक मोटी रस्सी लाने केलिए बोला। जब श्यामू के काका ने पुछा की उसके पैसे कहाँ है तो भोला बोला की श्यामू उसे चुराया है तो काका श्यामू चार-पाँच थप्पड़ लगाए परंतु जब काका पताचला की श्यामू काकी को लिए पैसे चुरहा था तब उनके आँखों मे आँसू आगए।

प्र) पेड़ न हो तो क्या होता ?

उ) पेड़ न हो तो हमे खाना नहीं मिलेगा। बहुत प्रदूशण होएगा और हमे साँस लेने केलिए साफ हवा नहीं मिलेगा। बारीश नहीं होगी और हमें पानी पीने केलिए नहीं मिलेगा।

प्र18) जंगल के जानवर क्यों परेशान थे।

उ) जंगल के जानवर इसलिए परेशान थे क्योंकि उन्हें पानी पीने के लिए नहीं मिल रहा था।

प्र19) राजा का चिंता को कौन दूर किया?

उ) राजा का चिंता को वीरू हाथी ने दूर किया।

प्र20) मेरी पहली रैलयात्रा

उ) कुछ हफ्ते पहले मैं अपने पूरी परिवार के साथ जयपुर गया था। हम वहाँ गर्मी की छुटियाँ बिताने गए थे और वह रैल गाड़ी से यात्रा थी। हम सुबह 9 बजे रैलवे स्टेशन गए और सुबह 10 बजे रैलगाड़ी से पहुंचे यह मेरी पहली रैलयात्रा थी। मैंने पहले कभी रैलयात्रा से सफ़र नहीं की थी। मैंने पूरी यात्रा का वास्तव में आनंद लिया। नोएडा शहर से निकलने के बाद का नजारा वाकई अदभुत था। मुझे प्राकृतिक सुंदरता देखना बहुत पसंद है। जब हम जयपुर के पास आए तो

मैं एक नाम बनाने तय रहा था। यह उनी के लिए बहुत अच्छा अनुभव है। मैं फिर से रेलगाड़ी की यात्रा करना चाहती हूँ।

प्रश्न] मित्र के जन्म दिन पर उपस्थित न होने के कारण क्षमा याचना करते हुए मित्र के नाम पत्र लिखिए।

उ)

भुवनेश्वर

दिनांक 13-10-21

प्रिय मित्र,

मैं यहां पर खुश हूँ, आशा करती हूँ कि तुम भी वहाँ खुश हो।

मैं यह पत्र यह बताने के लिए लिख रही हूँ कि मैं तुम्हारे जन्मदिन पर उपस्तीत न हो पाऊँगी क्योंकि मेरी परीक्षाएं नजदीक है और मुझे इसके लिए पढ़ना बहुत आवश्यक

लेकिन मैं वादा करती हूँ कि जब मेरी परीक्षा खत्म हो जाएगी तो मैं तुम्हारे साथ पूरा दिन बिताऊंगी। तब तक मुझे आशा है कि तुम्हारा जन्मदिन बहुत अच्छा हो और मुझे आशा है कि मैं तुम्हें जल्दी मिलूंगी। अपने परिवार को मेरा अभिवादन दें।

तुम्हारी प्रिय मित्र

समियुक्ता

प्रश्न) बढ़ती मँहगाई से परेशान दो मित्रों के मध्य वार्तालाप को संबाद के रूप में प्रस्तुत कीजिए -

उ) रोहन- मोहन क्या तुमने देखा है कि आजकल साधारण वस्तुओं के दाम बढ़ रहे हैं?

मोहन- हाँ, मैंने देखा है। न केवल यह बुरा है बल्कि अन्य लोगों के लिए भी मुश्किल है।

रोहन- ऐसा कैसे ?

मोहन - सबसे पहली बात तो यह है कि हर कोई बेशक अमीर नहीं होता। और हर कोई इन साधारण चीजों को नहीं खरीद सकता जो इतनी महंगी हैं। जैसे आलू की कीमत ₹30 प्रति किलोग्राम है, अगर ऐसा ही चलता रहा तो कम वेतन वाली नौकरी करने वाले कुछ लोग सिर्फ इसलिए भूखे मरेंगे क्योंकि खाना कितना महंगा मिल रहा है।

रोहन - हाँ! सरकार को इसके खिलाफ कार्रवाई करने की आवश्यकता है, हमारे पास इन दुकानदारों को कम कीमत के लिए मनाने की अधिक शक्ति नहीं है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो कुछ लोग गरीब हो जाएंगे।

प्र23) कौन अपनी बचपन को बार बार पुकार रही थी और क्यों ?

उ) कवियत्री अपनी बचपन को बार बार पुकार रही थी क्योंकि उसकी बचपन ही उसकी खुशी थी।

प्र24) मेरा नया बचपन कविता का सारांश को अपने शब्दों में लिखिए।

उ) कवियत्री मे माने है कि यवावस्था मे नई - नई कामनाओं पुरुषार्थ और ज्ञान की वृद्धि होती है किन्तु इस आयु मे झंझट भी है। इस अवस्था में केलिए सारिक जीवन, एक चुनौतियों और संघर्ष से पूर्ण रणभूमि सा नजर आना है। युवावस्था नई - नई जिम्मेदारियों के आने से मन चिंतित रहती है और कभी - कभी जीवन एक बोझ सा प्रतीत होने लगना है। कवियत्री जवानी के झंझटों से विचलित होकर बचपन को पुकार उठनी है। वह

पुकार उठती है "ओ! मेरा प्यारा बचपन। एकबार फिर से आजा। मेरे चिंताओं से बोझिल जीवन को फिर से अपनी निर्मल शांति से भरदे फिर से मुझे जवानी की फिर। मुझे जवानी के इस थका देने वाले मार्ग पर तू मुझे वह स्वाभाविक विश्राम प्रदान कर दे, जो मन की व्याकुलता भरी सरलता से भर दे। मेरे जीवन से सारे कलुषों को मिटा दे। बता, क्या तू फिर से मेरे जीवन में पधारकर, मेरे व्यथित और चिंतित मन का कष्ट दूर करेगा।

प्र25) सच्चा मित्र किसे कहते है?

उ) सच्चा मित्र उन्हें कहते जो आपकी हमेशा मदद करते और वो आपके लिए दूसरों के सामने खड़े होते हैं।

प्र26) किसे दुगनी खुशी मिली और क्यों?

उ) संजय को दुगनी खुशी मिली क्योंकि वो अमन जैसा दोस्त पाकर खुश हो गया।

प्रश्न) दुगनी खुशी पाठ के माध्यम से लेखक समाज को क्या संदेश देना चाहते हैं?

उ) लेखक समाज को यह संदेश देना चाहते हैं की अपको हमेशा अपने दोस्तों की मदद करना चाहीए क्योंकि उस में ही खुशी मिलती है।